क्षमता में लगभग ११० एम० डब्ल्यु० की वृद्धि लाना सम्भावित है । इससे पूंजीगत परिव्यय में १० करोड़ रुपये की बचत होगी और पंजाब की जलीय प्रणालियों से परवर्तित विद्युत के उपभोग से वार्षिक चालू-खर्चे में ६० लाख रुपये की बचत होगी । इस बचत में ईंधन खर्च में जो बचत होगी, वह भी सम्मिलित है ।

दामोदर घाटी निगम

२५२. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दामोदर घाटी निगम ने मत्स्यपालन का भी काय शुरू कर दिया है ;

(ख) यदि हां, तो कब से ;

(ग) इस व्यवसाय से निगम को कितना लाभ/हानि हुई; और

(घ) क्या निगम की स्थापना जिन उद्देश्यों से हुई थीं उनमें मत्स्यपल भी शामिल था ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्री (डा० कु० ल० राव) : (क) जी, हां ।

(ख) १९५२-५३ से ।

(ग) १९६२-६३ के अन्त तक मछली बेच कर, अधिशुल्क के रूप में, और मछली पकड़ने के लाइसेंसों को दे कर कुल पावती २,८४,३९२ रुपये की हुई है और इस काल तक का खर्चा १७,४०,८३६ रुपये है । इस स्कीम से कोई खास आमदनी नहीं हुई है क्योंकि यह अभी विकास व्यवस्था में है ।

(घ) जी, नहीं । दामोदर घाटी निगम मत्स्यपालन का काम उपसंघी व्यवसाय के रूप में कर रही है ।

दामोदर घाटी निगम

२५३. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दामोदर घाटी निगम ने सिंचाई का जो लक्ष्य पहले निर्धारित किया था उसमे कमी कर दी गई है ;

(ख) पूर्व निश्चित लक्ष्य क्या था और संशोधित लक्ष्य क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि सिंचाई की दर अधिक होने के कारण किसान इससे लाभ नहीं उठा पाते हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इस समस्या को सुलझाने के लिये क्या किया जा रहा है ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्री (डा० कु० ल० राव) : (क) जी, हां ।

(ख)	प्रारम्भिक लक्ष्य	पुनरवलोकित लक्ष्य
	(एकड़ों में)	
खरीफ	१०,४४,००	९,७३,०००
रबी	३,००,०००	५५,०००

(ग) तथा (घ). सिंचाई के लिये पानी के परचून दर पश्चिमी बंगाल की सरकार द्वारा निर्धारित किये जाते हैं । राज्य सरकार से जानकारी एकत्रित की जा रही है ।

फिल्म वित्त निगम

२५४. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **वित्त** मंत्री यह बतान की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फिल्म वित्त निगम ने कतिपय फिल्म कम्पनियों को फिल्म निर्माण के लिये ऋण दिये हैं ;

(ख) यदि हां, तो वे फिल्म कम्पनियां कौन सी हैं, तथा प्रत्येक को दिये गये ऋण की राशि क्या है ; और